डॉ. अलका सक्सेना

प्राचार्या

संदेश

''कर पदाघात अब मिथ्या के मस्तक पर,
सत्यान्वेषण के पथ पर निकलो नारी।
तुम बहुत दिनों तक बनी दीप कुटिया का
अब बनो क्रान्ति ज्वाला की चिंगारी''।।

स्नेही छात्राओं,,

नवसत्र 2019–20 के शुभागमन में आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन।

आप सभी सृजनशील, नवचेतन सुसंस्कारमयी मन मस्तिष्क वाली बालिकाएँ हैं, आपके अन्तःस्थ ज्ञान को निखारकर विश्वपटल पर प्रक्षेपित करना मेरे जीवन का ध्येय है, मैं शिक्षा के साथ साथ आप में उच्च चारित्रिक जीवन मूल्य, स्वावलम्बन, भारतीय नारी के आदर्श स्वरूप एवं पथ प्रदर्शिका के रूप को स्थापित कर विश्व कल्याण में वेदान्त दर्शन के भाव को स्थापित करने वाले अपने योगदान को सुनिश्चित करने की अपेक्षा रखती हुई उन्नत अध्ययन, अध्यापन एवं जीवन कौशल का विस्तार करने के लिए प्रयत्नशील हूँ। इन सबको प्राप्त करने में मैं अपने प्रबुद्ध संकाय सदस्यों के परिश्रम, प्रबंधन के सहयोग एवं आशीर्वाद और अभिभावकों के सहयोग, सहकार एवं छात्राओं के विश्वास से इस मुकाम को हासिल कर सकूंगी, इसके लिए आश्वस्त हूँ।

महाविद्यालय की गौरवमयी गरिमा में आपका मर्यादित व्यवहार, अनुशासित जीवन शैली एवं संस्कारित आचरण अपेक्षित रहेगा, आशा ही नही, अपितु मुझे पूर्ण विश्वास है कि शिक्षा पथ पर आरूढ आपके कदम शिक्षकों के निर्देशन में वांछित लक्ष्य प्राप्ति में अग्रसर रहेंगें।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ.....!

डॉ. अलका सक्सेना

प्राचार्या